ओम् शान्ति

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय,

मिरा सोसायटी, पुणे - द्वारा आयोजित

"सम्पूर्ण दैवी व्यक्तित्व विकास अभियान" (Total Godly Personalty Development Programme) अन्तर्गत

परीक्षा क्रमांक - 2 **परीक्षा ता.13/05/2007**

(अव्यक्त वाणी तारीख- 16/11/2006) **मार्कस् - 47**

परीक्षा अवधी - 1½ घण्टा **योग - 02**

मैं आत्मा सम्पूर्ण दैवी व्यक्तित्व की धनी हूँ ! **सुवाच्छ अक्षर- 01**

कुलमार्कस् - 50

प्रश्न 1: निम्नलिखित अधूरे वाक्यों को सम्पूर्ण कर फिरसे लिखिए। (सिर्फ 5) **10**

1. हर एक सेन्टर का वायुमण्डल ऐसा हो .....
2. विश्व के पूर्वज हो .....
3. कितना भी सारे कल्प में सतयुगी अमूल्य तख्त है लेकिन .....
4. लेकिन बापदादा कहते हैं समय का फाइनल विनाश का छोडो, ...
5. तो स्वयं के स्वमान में भी एकाग्र रहो और .....
6. कब शब्द है आलस्य, ...
7. आज पहला टर्न है ना ! तो बापदादा .....

प्रश्न 2: निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर सिर्फ एकही वाक्य में लिखिए । (सिर्फ 5) **05**

1. देह अभिमान कब आता है?
2. स्वमान में रहता अर्थात क्या?
3. समय अनुसार कौन से शब्द को प्रैक्टिकल लाईफ में लाना है?
4. हम एक एक के पीछे विश्व की आत्माओं का आधार है, क्यों?
5. पुण्य की भण्डारी आटोमेटिक कब भर जाती है?
6. कुमारियों का गायन क्या है?

प्रश्न 3: निम्नलिखित चार पर्यायों में से सही पर्याय चुनकर सिर्फ पर्यायी शब्द ही लिखिऐ। (पुरा वाक्य नही) (सिर्फ -7) **07**

1. हाथ देखकरके बापदादा खुश तो होते है लेकिन ..... हाथ उठाना ।
   ए) दृढताका, बी) श्रीमतका सी) दिलसे, डी) दृढ संकल्प का
2. अभी तो हर एक के दिल से यह ..... शब्द निकले, पाना था वह पा लिया।
   ए) बेहदका, बी) एकही, सी) अनहद, डी) इनमे से कोई नही.
3. आज बापदादा चारो ओर के परमात्म प्यार के पात्र ..... बच्चोंको देख रहे हैं ।
   ए) स्वमानधारी स्वरूप, बी) एकाग्रता की स्थिती में सेट सी) एव्हर रेडी डी) स्वमान की सीटपर सेट
4. बापदादा के साथ श्रीमतका हाथ पकड साथ चले और फिर ब्रह्मा-बापके साथ..... में आवे। ए) पहेले राज्य में, बी) नये रसम रिवाज में सी) नये घर में, डी) नयी दुनिया में
5. जो..... के लिए तैयार हो रही हैं, वह हाथ उठाओ ।
   ए)ब्रह्मा कुमारी बनने, बी)सैन्टर्स संभालने, सी)वारीस निकालने, डी)स्टुडंट तैयार करने

6. सदा एकरस स्थिति कम रहती है। अनुभव होता है और यह स्थिति चाहते भी हैं लेकिन कब-कब क्यों होती है। कारण! सदा ..... की कमी है । ए) एकाग्रता, बी) समयके महत्त्व, सी) स्वमान, डी) अटेशन
7. तो सुना अभी क्या करना है? इस सीजन में क्या-क्या करना हैं, वह होम वर्क दिया। .... ए) रियल गोल्ड बनो, बी) अलबेले नही बनो, सी) स्वयं को रियलाईज करो, डी) दुसरे को नही देखो.
8. यही छोटासा ..... है जिसमें सारे कल्प की प्राप्तिका बीज डालने का समय है । ए) प्राप्ति का समय, बी) संगमयुग, सी) डबल प्राप्ति का, डी) इनमेसे कोई नही
9. ठीक रफ्तार से चलती है और आगे बढाओ क्योंकि अभी समय के अनुसार एक ही समय ..... सेवा चाहिए । ए) स्वयं की, बी) पॉवरफुल, सी) डबल, डी) फास्ट गती से.

प्रश्न 4: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 2/3 वाक्यों में लिखिए । (सिर्फ 2) 05

1. बापदादा सदा लास्ट नम्बर बच्चे को भी कौन से स्वरूप में देखते है? परेशानी का कारण क्या है?
2. हम सभीने 63 जन्म तो अपसेट का अनुभव कर लिया अभी ऊँचे ते ऊँचे शान में रहने के लिए बापदादाने कौनसी विधि बताई है?
3. इस वाणी के समय सेवा का टर्न किसका था? बापदादाने गुजरात को कौनसा टायटल दिया है?

प्रश्न 5: निम्नलिखित प्रश्नोंके उत्तर 6/7 पंक्तियों में लिखिये । (सिर्फ 3) 15

अ) आदरणीया दादीजी की महिमा स्वयं भगवान कर रहा है, यह पढकर आपको भी नशा चढ गया ना? क्या विशेषतायें है दादीजी की, भगवानवर्णीत?

ब) हर एक सेंटर के वायुमंडल के बारें में बापदादा की क्या आश है?

क) इस वाणी में बापदादाने हम आत्माओं को कौन-कौनसे वरदानों से भरपूर कर याद प्यार दिया है?

ड) संगमयुग आयु में छोटा है लेकिन बडे ते बडी प्राप्ति का युग है, कैसे?

प्रश्न 6 : स्व-उन्नती के लिए अपना शुभ संकल्प / विचार सागर मंथन लिखिए। सिर्फ 5/6 पंक्तियों में 5

अ) इस परमात्म वाणी में ऐसा कोई विशेष महावाक्य होगा जो आपको बेहद पसन्द है, कृपया इस महावाक्य को लिखिए, उसपर आपका स्वयं का मनन लिखिए।

OR

अ) इस वाणीसे आपको क्या प्रेरणा मिली? संगमयुगी ब्राह्मण जीवन में 'सम्पूर्ण देवत्व' की ओर बढने हेतु आपने क्या शुभ संकल्प किया है?

BEST OF LUCK

ओम् शान्ति